भारत वैश्विक ऊर्जा का नया केंद्र बिंदु

अब भारत दुनिया की ऊर्जा दिशा तय करने वाला देश : हरदीप सिंह

देश में रिफाइनिंग क्षमता 258 एमएमटीपीए से अधिक

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर.केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भारत वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है और अब यह दुनिया की ऊर्जा कहानी का हिस्सा भर नहीं, बल्कि इसे आकार देने वाला प्रमुख खिलाड़ी बन चुका है. शुक्रवार को अपने एक्स पोस्ट में साझा किए गए आंकड़ों के माध्यम से उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख उपलब्धियां गिनाईं.

पुरी के अनुसार, भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा और तेल उपभोक्ता है. यह चौथा सबसे बड़ा रिफाइनिंग हब भी है, जहां कुल रिफाइनिंग क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) से अधिक है. वैश्विक एलएनजी व्यापार में भारत की प्रमुखता बढ़ रही है, जहां यह चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक है और वैश्विक व्यापार का करीब 6 प्रतिशत हिस्सा रखता है.

देश की ऊर्जा अवसंरचना भी तेजी से विस्तार कर रही है. भारत के पास दुनिया का छठा सबसे बड़ा पाइपलाइन नेटवर्क है, जो 25,429 किलोमीटर लंबा है और 2030 तक इसे 33,475 किलोमीटर तक बढ़ाने की योजना है.

> पुरी ने कहा, भारत दुनिया की ऊर्जा कहानी का हिस्सा भर नहीं है – यह उसे आकार दे रहा है. उन्होंने इस गति का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया.हाल के वर्षों में भारत ने ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है. देश बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने और स्थिरता को बढ़ावा देने के दोहरे लक्ष्यों को संतुलित कर रहा है. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार, अगले तीन वर्षों में वैश्विक बिजली मांग में वृद्धि का 85 प्रतिशत उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से आएगा.

एनपीएस और एपीवाई की संपत्ति 16 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर. भारत सरकार की दो प्रमुख पेंशन योजनाएं राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने पेंशन सुरक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है. गुरुवार को जारी वित्त मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, इन दोनों योजनाओं की कुल प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियाँ (एयूएम) अब 16 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच चुकी हैं. सरकार ने इसे पेंशन सुरक्षा को सर्वसुलभ बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है. साथ ही, इन दोनों योजनाओं में शामिल पॉलिसीधारकों की सं या भी अब 9 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो देश की व्यापक सामाजिक सुरक्षा दृष्टि को मजबूती प्रदान

क्लाउडटीवी और वेव्स की साझेदारी

स्मार्ट टीवी पर मनोरंजन और भारत की विरासत एक साथ

न्यू दिल्ली, 10 अक्टूबर. भारत के पहले घरेलू स्मार्ट टीवी ऑपरेटिंग सिस्टम क्लाउडटीवी ने प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफॉर्म 'वेव्स' के साथ साझेदारी की है. इस साझेदारी से भारत की सांस्कृतिक विरासत और समकालीन मनोरंजन अब देशभर के स्मार्ट टीवी दर्शकों तक सहजता से पहुँचेगा.

इस सहयोग का उद्देश्य प्रसार भारती की विशाल सार्वजनिक सेवा डिजिटल सामग्री को कनेक्टेड टीवी पर सुलभ बनाना है. क्लाउडटीवी के माध्यम से अब 1.2 करोड़ से अधिक स्मार्ट टीवी उपयोगकर्ता दूरदर्शन और आकाशवाणी के कालातीत संग्रहों के साथ-साथ आधुनिक मनोरंजन, समाचार, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले सकेंगे. क्लाउडटीवी के सीओओ और सह-संस्थापक अभिजीत राजपुरोहित ने कहा, प्रसार भारती के वेव्स ओटीटी के साथ यह साझेदारी भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है. यह डिजिटल सेतु विरासत को तकनीक से और पुरानी यादों को नवाचार से जोड़ता है. प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने कहा, वेव्स भारत के आत्मनिर्भर डिजिटल विज़न का उदाहरण है. क्लाउडटीवी के साथ साझेदारी यह सुनिश्चित करेगी कि दूरदर्शन और आकाशवाणी की सामग्री देशभर के स्मार्ट टीवी दर्शकों तक पहुँचे और नागरिक भारत की संस्कृति व ज्ञान से जुड़ें.

क्लाउडवॉकर स्ट्रीमिंग टेक्नोलॉजीज़ द्वारा विकसित क्लाउडटीवी भारत का पहला प्रमाणित स्मार्ट टीवी ऑपरेटिंग सिस्टम है, जो लॉयड, इंटेक्स, माइक्रोमैक्स, क्रोमा, सैंसुई, हुंडई और टी-सीरीज़ जैसे कई ब्रांडों के स्मार्ट टीवी को शक्ति प्रदान करता है.

> वहीं, वेव्स ओटीटी वीडियो, ऑडियो, लाइव टीवी, रेडियो, पत्रिकाओं और पॉडकास्ट के लिए एक वन-स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म है, जो 20 से अधिक भाषाओं में सामग्री उपलब्ध कराता है. इसमें राष्ट्रीय कार्यक्रमों से लेकर पुराने वृत्तचित्र, क्षेत्रीय फ़िल्में, समकालीन शो और डिजिटल ओरिजिनल्स शामिल हैं.

ब्रिटेन जाने वालों के लिए खुशखबरी

दिल्ली और लंदन हीथ्रो के बीच नई उड़ान की घोषणा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर. अगर आप इस सर्दी लंदन जाने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए एक अच्छी खबर है. एयर इंडिया ने दिल्ली और लंदन (हीथ्रो) के बीच 26 अक्टूबर से चौथी दैनिक उड़ान शुरू करने की घोषणा की है.

यह कदम न केवल यात्रियों की बढ़ती माँग को पूरा करेगा, बल्कि भारत और ब्रिटेन के बीच हवाई संपर्क को और भी मज़बूत बनाएगा. भारत की प्रमुख विमान सेवा प्रदाता कंपनी एयर इंडिया ने गुरुवार को ऐलान किया कि वह आगामी शीतकालीन कार्यक्रम के तहत दिल्ली और लंदन (हीथ्रो) के बीच एक और नई दैनिक उड़ान शुरू करने जा रही है. यह सेवा 26 अक्टूबर से शुरू होगी और इससे दिल्ली-लंदन मार्ग पर एयर इंडिया की दैनिक उड़ानों की सं या चार हो जाएगी.

एयर इंडिया के अनुसार, इस नयी सेवा के साथ अब लंदन के लिए उसकी कुल उड़ानों की सं या सप्ताह में 24 से बढ़कर 28 हो जाएगी. इस बढ़ोतरी से यात्रियों को प्रति सप्ताह अतिरिक्त 1,196 सीटें उपलब्ध होंगी, जिससे लंदन जाने वाले यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी. एयर इंडिया ने यह भी जानकारी दी कि वह इस हाई-डिमांड रूट पर अत्याधुनिक विमानों जैसे एयरबस 350-900 और बोइंग 787-9 का ही संचालन कर रही है, जिससे यात्रियों को आरामदायक और बेहतर अनुभव मिलेगा.

वर्तमान में एयर इंडिया भारत और ब्रिटेन के बीच सबसे अधिक उड़ानें संचालित करने वाली एयरलाइन है. कंपनी सप्ताह में कुल 61 उड़ानों का संचालन करती है और इसमें एक दिशा में 18,066 सीटें उपलब्ध कराई जाती हैं.

शिक्षक ही असली गूगल : अशोक राय

पद नहीं, कर्तव्य मायने रखता है अनुशासन ही असली प्रेरणा : राय

फ़िल्मों, तंबाकू और ड्रग्स से दूर रहने का युवाओं को संदेश

बेंगलुरु ,10 अक्टूबर. एलएनसीटी समूह के डीन अशोक राय ने चर्चित पॉडकास्ट में अपने जीवन के फलसफे और शिक्षा जगत की चुनौतियों पर खुलकर बात की. राय ने कर्तव्यनिष्ठा पर जोर देते हुए कहा, जहाँ काम करो, वहाँ नमकहलाली होनी चाहिए, नमकहरामी नहीं.

अनुशासन और संवेदनशीलता के संतुलन को रेखांकित करते हुए उन्होंने अपनी जीवनगाथा का शीर्षक 'सख़्त प्रशासन, मुलायम दिल' सुझाया.यह पॉडकास्ट शिक्षा जगत में तेज़ी से चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें राय ने छात्रों के लिए गुरु-शिष्य संबंध और डिजिटल भटकाव पर चिंता जताई.

'गुरु पर नहीं, गूगल पर भरोसा'- राय ने वर्तमान शैक्षणिक माहौल में छात्रों के बदलते व्यवहार पर गहरी चिंता व्यक्त की. उन्होंने कहा कि आज का छात्र क्लास में बैठकर भी मोबाइल पर सर्च करता है, जिससे शिक्षक पर रहा भरोसा अब स्क्रीन पर आ गया है. उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि टीचर ही असली गूगल है, बाकी सब सिर्फ़ कॉपी. उन्होंने सोशल मीडिया और डिजिटल डिस्ट्रैक्शन को छात्रों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बताया. राय ने हिंदी मीडियम के छात्रों के लिए विशेष समर्थन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि पहले वर्ष में कई हिंदी मीडियम बच्चे हिम्मत हारकर कोर्स छोड़ देते हैं. उन्होंने भाषा को बाधा नहीं, बल्कि माध्यम बनाने के लिए द्विभाषी शिक्षण को बढ़ावा देने की वकालत की.

फ़िल्में और सिगरेट पर राय का सख्त संदेश- मनोरंजन और युवा स्वास्थ्य पर बोलते हुए राय ने एक स्पष्ट रेखा खींची. उनका मानना है कि आज की फ़िल्में और वेब सीरीज़ मनोरंजन से ज़्यादा, सोच को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए युवाओं को केवल प्रेरणादायक सामग्री ही चुननी चाहिए. उन्होंने खुद नेटफ्लिक्स जैसे प्लेटफॉर्म से दूरी बनाए रखी.

> **कर्तव्यनिष्ठा ही सर्वोपरि**
>
> राय ने अपने काम के प्रति ईमानदारी को सर्वोपरि रखा. उन्होंने कहा कि पद मायने नहीं रखता, काम मायने रखता है और उन्हें कभी भी शोहरत के लिए मंच पर बैठना पसंद नहीं रहा. उन्होंने अपने प्रेरणास्रोत के रूप में एलएनसीटी समूह के चेयरमैन जय नारायण चौकसे और अपने बड़े भाई एम.एल. राय का उल्लेख किया, जिनसे उन्होंने अनुशासन और नेतृत्व की परिभाषा सीखी.पॉडकास्ट के होस्ट अर्चित जैन ने राय को असली रोल मॉडल बताया, जिन्होंने

करवा चौथ के मौके पर सस्ता हुआ सोना, चमकी चांदी

सोना रु.1,22,629 से गिरकर रु.1,20,845 प्रति 10 ग्राम पर

चांदी रु.1,59,550 से बढ़कर रु.1,62,143 प्रति किलो पहुंची

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर. करवा चौथ के शुभ अवसर पर भारतीय सर्राफा बाज़ार में आभूषण खरीदने वालों को सोने की कीमतों में बड़ी राहत मिली है.

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड के मुताबिक, शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025 को सोना पिछले दिन के भाव से रु.1,784 टूटकर रु.1,20,845 प्रति 10 ग्राम पर आ गया.वहीं, चांदी रु.2,593 चढ़कर रु.1,62,143 प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई है. इससे 9 अक्टूबर को सोना का भाव रु.1,22,629 प्रति 10 ग्राम और चांदी रु.1,59,550 प्रति किलो था.त्योहारी खरीदारी के बीच सोने के भाव में तेज गिरावट आई. IBJA के आंकड़ों के मुताबिक, 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना (बिना जीएसटी) गुरुवार को रु.1,22,629 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. यह शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ रु.1,20,845 प्रति 10 ग्राम पर खुला.

डॉलर की कमजोरी ने दिया सहारा- सोने की कीमतें ग्लोबल मार्केट में अमेरिकी डॉलर में तय होती हैं. शुक्रवार को डॉलर इंडेक्स 0.20% कमजोर हुआ, जिससे अन्य करेंसी में सोना सस्ता हो गया और इंटरनेशनल मार्केट में डिमांड बढ़ गई. इस वजह से सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट नहीं आई.

> **चांदी में रु. 2,593 का बंपर उछाल**
>
> सोने के विपरीत, चांदी ने रु.2,593 की बढ़त दर्ज की. IBJA के अनुसार, 9 अक्टूबर को चांदी रु.1,59,550 प्रति किलो पर बंद हुई थी, जो शुक्रवार सुबह बढ़ोतरी के साथ रु.1,62,143 प्रति किलो तक पहुँच गया. इस उछाल के बाद, चांदी की जीएसटी समेत कीमत रु.1,67,007 प्रति किलो पर पहुँच गई है.एक्सपर्ट्स का मानना है कि करवा चौथ जैसे त्योहारों पर सोने और चांदी की मांग आमतौर पर बढ़ जाती है. इस बार बाजार में थोड़ी गिरावट ने सोने को इन्वेस्टर्स और गहने खरीदने वालों के लिए सस्ता और अट्रैक्टिव ऑप्शन बना दिया है.

रिलायंस जियो ने लॉन्च किया 'सेफ्टी फोन'

जियोभारत फोन बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा पर केंद्रित

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर.इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में रिलायंस जियो ने देश का पहला 'सेफ्टी-फर्स्ट मोबाइल फोन' — जियोभारत लॉन्च किया है. यह फोन लोकेशन मॉनिटरिंग, यूसेज मैनेजर और रीयल टाइम फोन हेल्थ जैसे उन्नत फीचर्स से लैस है. कंपनी का दावा है कि यह डिवाइस बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है.

जियोभारत फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी सुरक्षा क्षमता है. यह परिवारों को अपने प्रियजनों की सटीक लोकेशन जानने और संदिग्ध गतिविधियों पर नज़र रखने की सुविधा देता है. उपयोगकर्ता यह तय कर सकते हैं कि कौन कॉल या संदेश भेज सकता है और कौन नहीं. इसके अलावा, इंटरनेट पर अवांछित वेबसाइटों और कंटेंट को ब्लॉक करने का विकल्प भी मौजूद है, जिससे बच्चों को सुरक्षित डिजिटल वातावरण मिल सके.

फोन का इंटरफेस सरल और उपयोग में आसान बनाया गया है ताकि बुजुर्ग भी इसे सहजता से चला सकें. कंपनी के अनुसार, जियोभारत में 7 दिनों तक का बैटरी बैकअप मिलता है और यह फोन की स्थिति व बैटरी हेल्थ की रीयल टाइम जानकारी भी प्रदान करता है.

> रिलायंस जियो के प्रेसिडेंट सुनील दत्त ने लॉन्चिंग के दौरान कहा, हमारा उद्देश्य ऐसी तकनीक लाना है जो हर भारतीय को कनेक्ट करने के साथ उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करे. जियोभारत सिर्फ एक फोन नहीं, बल्कि एक सुरक्षा नवाचार है जो परिवारों को मानसिक शांति प्रदान करेगा. कंपनी का कहना है कि यह डिवाइस खासकर उन परिवारों के लिए उपयोगी साबित होगा जो अपने बच्चों या बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं. रु.799 की किफायती कीमत में उपलब्ध जियोभारत फोन देश के सबसे सस्ते लेकिन फीचर-समृद्ध डिवाइसों में से एक माना जा रहा है.

टाटा ट्रस्ट की बोर्ड बैठक संपन्न

तनाव के साए में लाभांश के उपयोग पर चर्चा

नई दिल्ली/मुंबई, 10 अक्टूबर. भारत के सबसे प्रतिष्ठित कारोबारी समूह टाटा ट्रस्ट में इन दिनों भीतरी खींचतान और गुटबाज़ी के बादल मंडरा रहे हैं.

शुक्रवार को ब बे हाउस में संपन्न हुई बोर्ड बैठक ने इन अटकलों को और हवा दी है कि संगठन के भीतर न केवल वैचारिक मतभेद हैं, बल्कि सत्ता संतुलन को लेकर भी तनाव बना हुआ है.

बैठक में लाभांश की राशि के उपयोग पर चर्चा हुई, लेकिन ट्रस्टियों की नियुक्तियों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया. टाटा ट्रस्ट की बोर्ड बैठक शुक्रवार, 10 अक्तूबर को मुंबई स्थित ब बे हाउस में आयोजित की गई, जो दोपहर तक चली.

बैठक में कुछ सदस्य व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे, जबकि अन्य ने वीडियो कॉल के माध्यम से हिस्सा लिया. सूत्रों के अनुसार, बैठक का मुख्य एजेंडा रहा— हाल ही में टाटा संस से ट्रस्ट को मिले 1,700 करोड़ रुपये के लाभांश को सामाजिक कार्यों में कैसे प्रयोग किया जाए. हालांकि, बैठक में ट्रस्टी नियुक्तियों या कार्यकाल विस्तार पर चर्चा नहीं की गई, जो फिलहाल विवाद का मु य केंद्र बना हुआ है.

भाजपा से चुनाव लड़ना चाहती हैं मैथिली!

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार के प्रभारी विनोद तावड़े से मुलाकात की

नई दिल्ली. चुनाव आयोग की ओर से बिहार की 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है. इसी बीच, बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर की मुलाकात बीजेपी के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े से हुई है.

इस मुलाकात के बाद से बिहार के राजनीतिक गलियारों में अटकलों का दौर शुरू हो गया है. ऐसी खबरें हैं कि बीजेपी उन्हें आगामी चुनाव में टिकट दे सकती है, जिसके बाद उनके चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है. राजनीतिक दल जहां अपने-अपने खेमे को मजबूत करने में जुटे हैं. वहीं, मैथिली ठाकुर और बीजेपी नेता की यह मुलाकात राज्य की राजनीति में नए समीकरणों की ओर इशारा कर रही है.

दरअसल, रविवार को मैथिली ठाकुर ने बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार के प्रभारी विनोद तावड़े से मुलाकात की. इस अहम बैठक के दौरान बीजेपी के दिग्गज नेता नित्यानंद राय भी मौजूद थे. विनोद तावड़े ने मैथिली ठाकुर के साथ मुलाकात की यह तस्वीर अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की थी. तस्वीर में मैथिली ठाकुर के साथ उनके पिता भी नजर आ रहे हैं. आगामी विधानसभा चुनावों की तारीखें घोषित होने के बीच हुई इस मुलाकात को मैथिली ठाकुर की सियासी एंट्री से जोड़कर देखा जाना लाजमी है. दरभंगा की अलीनगर विधानसभा सीट और मधुबनी की बेनपट्टी सीट से चुनाव लड़ने की बात कही जा रही है.

> **मिथिलांचल का प्रभावशाली चेहरा मानी जाती हैं मैथिली ठाकुर**
>
> मैथिली ठाकुर मिथिलांचल का एक बहुत बड़ा और प्रभावशाली चेहरा हैं. मैथिली और भोजपुरी जैसी स्थानीय भाषाओं में लोकगीत, छठ गीत, कजरी और पारंपरिक भजन गाती हैं. उनके पिता रमेश ठाकुर भी संगीतकार हैं, जिन्होंने उन्हें बचपन से ही संगीत की शिक्षा दी, जिससे उनकी संगीत की जड़ों पर मिथिला की छाप गहरी है. मैथिली ठाकुर की लोकप्रियता केवल बिहार तक ही सीमित नहीं है, लेकिन मिथिलांचल में यह अत्यधिक प्रभावी है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं, खासकर युवाओं के बीच उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है. यह उन्हें किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक गेम चेंजर या प्रभावशाली चेहरा बनाता है.

चुनाव से पहले भाजपा में भारी बवाल

पार्टी नेताओं के परिजनों को नहीं मिलेगा टिकट

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने वंशवादी राजनीति के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का संकेत दिया है. पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया है कि मौजूदा सांसदों, विधायकों और एमएलसी के परिवार के सदस्यों को इस बार टिकट नहीं दिया जाएगा.

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य परिवारवाद का विरोध करने की पार्टी की विचारधारा को मजबूत करना है, साथ ही जमीनी कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करना है कि उनकी उम्मीदवारी की संभावनाएं राजनीतिक वंश की कमी के कारण सीमित नहीं हैं.

सूत्र ने कहा कि भाजपा एक कैडर-आधारित पार्टी है. कई साधारण बूथ-स्तरीय कार्यकर्ता शीर्ष पदों पर पहुँचे हैं, और यह निर्णय उस संस्कृति को और मजबूत करने के लिए है.

> **भाजपा ने रखा टारगेट**
>
> भाजपा 2010 के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश कर रही है, जब उसने 102 सीटों पर चुनाव लड़ा था और लगभग 90 प्रतिशत की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट के साथ 91 सीटें जीती थीं. एनडीए ने इस बार 225 सीटों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिससे विपक्षी खेमे में हलचल मचने की उम्मीद है. बिहार में भाजपा की स्थिति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है - 2005 में 55 सीटें, 2010 में 91, 2015 में 54 (जब उसने जदयू-राजद महागठबंधन के खिलाफ चुनाव लड़ा था) और 2020 में 74 सीटों पर वापसी.

हुड्डा के आगे फिर झुका आलाकमान

चंडीगढ़. हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एक बार फिर कांग्रेस आलाकमान को झुका दिया. पिछले करीब एक साल से राहुल गांधी ने हरियाणा में विधायक दल के नेता का चुनाव रोक रखा था. राहुल गांधी चाहते थे कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा की विदाई हो और नए नेता को कमान दी जाए. उन्होंने इस बारे में कई बार नेताओं से बातचीत की. कहा जा रहा है कि उन्होंने हुड्डा को याद दिलाया कि 2024 के चुनाव से पहले उन्होंने कहा था कि यह उनका आखिरी चुनाव है. अब जबकि कांग्रेस चुनाव हार गई है तो उनको छोड़ देना चाहिए और नए लोगों को मौका देना चाहिए. लेकिन हुड्डा ने उनकी कोई बात नहीं सुनी और विधायक दल का नेता बनने पर अड़े रहे.

अब एक साल के बाद कांग्रेस ने विधायक दल का नेता नियुक्त करने का फैसला किया तो मुहर भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नाम पर लगी. वे लगातार पांचवी बार कांग्रेस विधायक दल के नेता बन रहे हैं. पहले दो बार वे राज्य के मुख्यमंत्री रहे और तीसरी बार नेता प्रतिपक्ष बन रहे हैं. इतना ही नहीं उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष भी अपनी मर्जी का बनवाया है. कांग्रेस आलाकमान की पसंद कैप्टेन अजय यादव थे लेकिन हुड्डा ने उनके नाम पर वीटो किया, जिसके बाद उनका नाम कटा. हालांकि कांग्रेस आलकमान ने यह फैसला किया था कि यादव प्रदेश अध्यक्ष बनना चाहिए तो हुड्डा ने राव नरेंद्र सिंह का नाम आगे किया और उनको अध्यक्ष बनवया. इस तरह हुड्डा ने प्रदेश संगठन और विधायक दल दोनों की कमान अपने हाथ में रखी है. इससे पहले भी चौधरी उदयभान को हुड्डा ने ही अध्यक्ष बनवाया था. वे दलित समाज के थे.

विशेष लड़ेंगी बिहार विधानसभा चुनाव? गिरिराज से मुलाकात ने बढ़ाई हलचल

सियासत में हाथ आजमाएंगी अक्षरा सिंह

पटना. बिहार में विधानसभा चुनावों की रणभेरी बजने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है. रोजाना नए-नए राजनीतिक चेहरे सियासी गलियारों में उभरने लगे हैं. इस बार तो बिहार में चुनाव में ग्लैमर का तीखा तड़का भी लगने जा रहा है. क्योंकि मशहूर भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने भी राजनीति में आने के संकेत दिए हैं.

दरअसल, भोजपुरी सिनेमा की स्टार अक्षरा सिंह ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात की. इसके बाद सियासी हलकों में यह चर्चा होने लगी है कि पवन सिंह, रितेश पांडे और मैथिली ठाकुर के बाद अक्षरा सिंह ने भी बिहार के सियासी समर में उतरने के लिए कमर कस ली है.

अक्षरा सिंह ने शेयर की तस्वीर- उन्होंने इस मुलाकात की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, गिरिराज सिंह जी से आशीर्वाद मिला. इसके बाद से राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है कि क्या अक्षरा सिंह भी इस बार बिहार के चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही हैं. बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भोजपुरी फिल्म जगत से कई नाम राजनीति में आ गए हैं. एक दिन पहले ही लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने विनोद तावड़े और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से मुलाकात की. इसके बाद, मैथिली ने कहा कि उनकी बातचीत काफी सकारात्मक रही और वह एनडीए का समर्थन करती हैं.

> **पवन सिंह की भाजपा में वापसी**
>
> इससे पहले, भोजपुरी फिल्म अभिनेता पवन सिंह भी भाजपा में लौट आए थे. गायक और अभिनेता रितेश पांडे भी प्रशांत किशोर की पार्टी जन सूरज में शामिल हो गए हैं. चर्चा है कि मशहूर गायक राधेश्याम रसिया भी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. इस सूची में एक और भोजपुरी स्टार का नाम शामिल है. अभिनेता खेसारी लाल यादव भी इसमें शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की थी.